www.mapsofworld.com
Edit with WPS Office

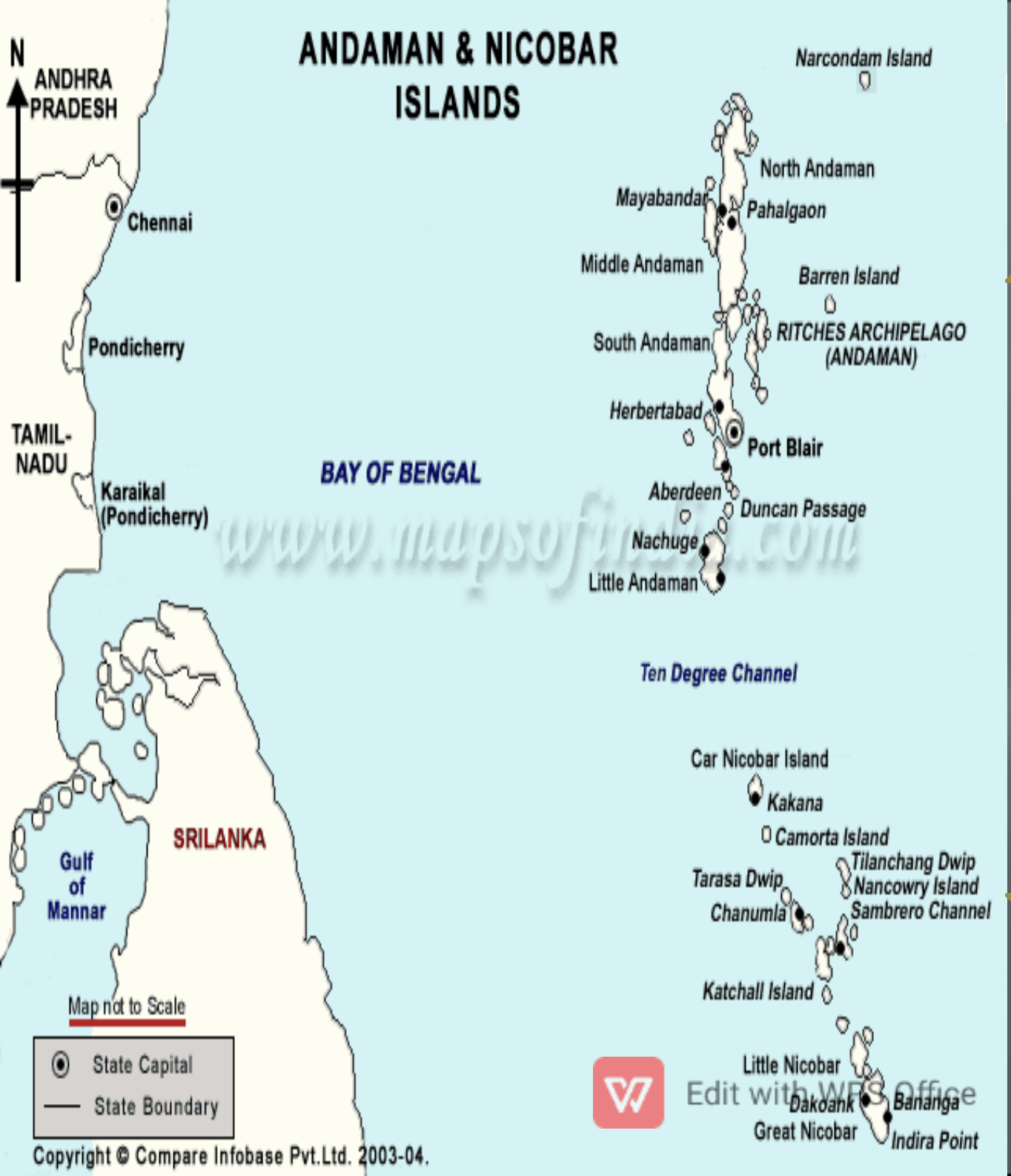

कार निकोबार लिटिल अन्दमान से ९६ कि.मी. दूर है।

विश्वास है कि
लिटिल अन्दमान
और कार
निकोबार द्वीप एक
ही थे।
इनके विभक्त होने
की लोककथा है---

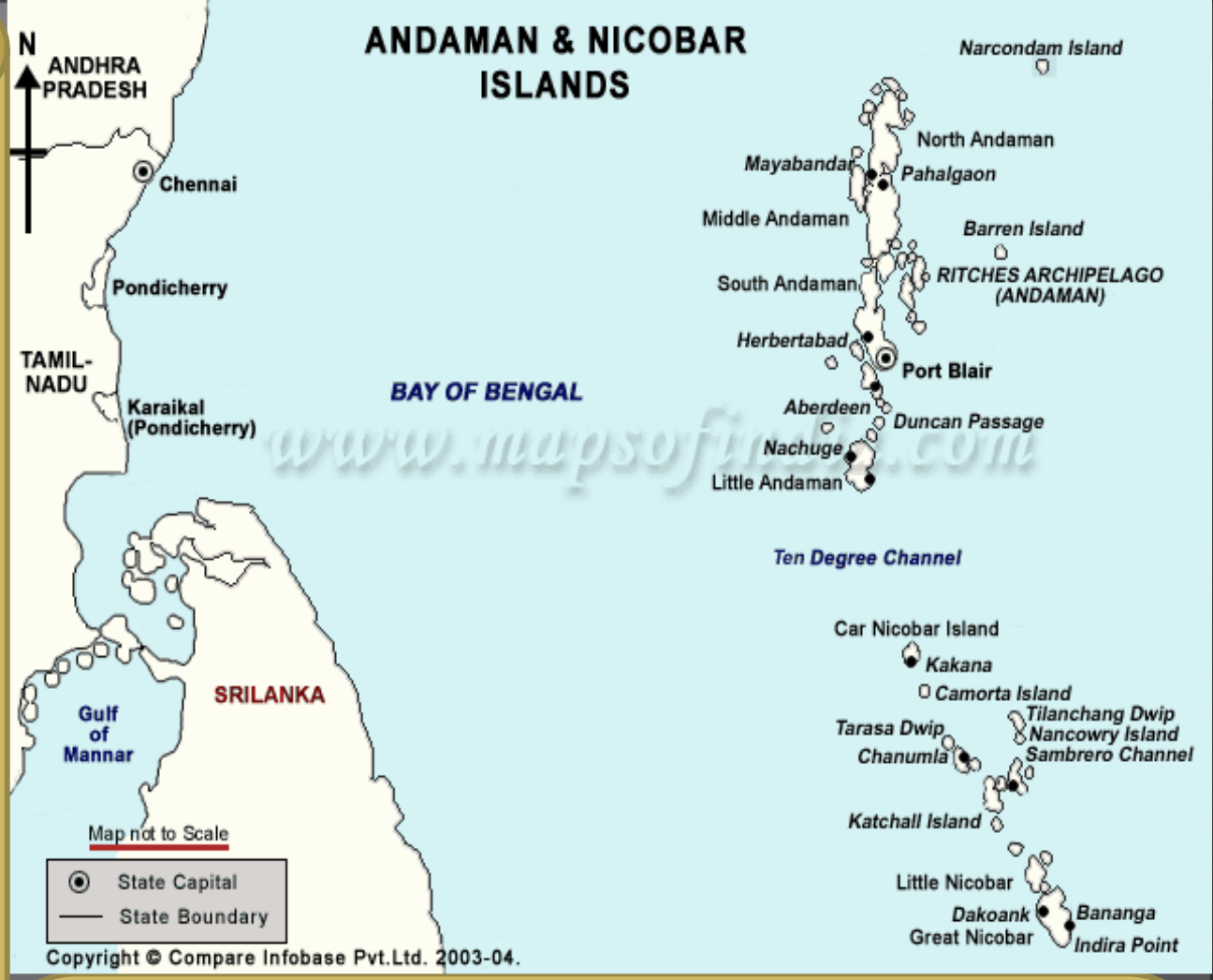

तताँरा वामीरो कथा

{लीलाधर मंडलोई}

Edit with WPS Office

प्रस्तुत पाठ `तताँरा-वामीरो कथा' इसी द्वीपसमूह के एक छोटे-से द्वीप पर केन्द्रित है। उक्त द्वीप में विद्वेष गहरी जड़ें जमा चुका था। उस विद्वेष को जड़-मूल से उखाड़ने के लिए एक युगल को आत्मबलिदान देना पड़ा था। उसी युगल के बलिदान की कथा यहाँ बयान की गई है।

Edit with WPS Office

प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है। इसीलिए जो समाज के लिये अपने प्रेम का, अपने जीवन तक का बलिदानकरता है, उसे न केवल समाज याद रखता है; बल्कि उसके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देता। यही वजह है कि तत्कालीन समाज के सामने एक मिसाल कायम करने वाले इस युगल को आज भी उस द्वीप के निवासी गर्व और श्रद्धा के साथ याद करते हैं।

Edit with WPS Office

सदियों पूर्व लिटिल अन्दमान और कार निकोबार एक थे।वहाँ एक सुन्दर गाँव बसा हुआ था। उस गाँव में तताँरा नाम का एक सुन्दर युवक रहता था।

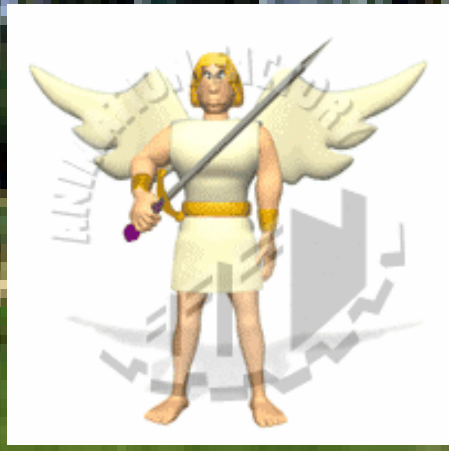

© cbmphoto.co.uk Edit with WPS Office

तताँरा

- नेक
- मददगार
- शांत
- त्यागी
- समाजसेवी
- सुन्दर
- आकर्षक व्यक्तित्व वाला
- आत्मीय स्वभाव वाला
- पारंपरिक पोशाकधारी
- पर्व-त्योहारों में आमंत्रित
- लकड़ी की तलवार में दैवीय शक्ति

Edit with WPS Office

एक शाम तताँरा थका-हारा समुद्र के किनारे बैठा था। सूरज डूबने को था, ठंडी हवा बह रही थी,पक्षियों की चहचहाहट सुनाई दे रही थी।
तभी उसे लहरों की आवाज के बीच एक मधुर गीत सुनाई पड़ा।वह मंत्रमुग्ध होकर आवाज की तरफ़ बढ़ा। उसने देखा कि एक युवती अपने गीत में खोई हुई है। वह खड़ा होकर सुनने लगा।अचानक लहरों ने उसे भीगा दिया और उसका गाना बंद हो गया।

तताँरा- तुमने गाना क्यों बंद कर दिया?
वाम्रीरो- पहले ये बताओ, तुम कौन हो?
तताँरा- तुमने इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?
वामीरो- अजीब आदमी हो, एक ही राग अलाप रहे हो।मैं गाऊँ न गाऊँ ,मेरी मर्जी। तुम कौन हो? शायद तुम्हे गाँव के नियम नहीं मालूम?

{यह कहकर वामीरो जाने लगी तो तताँरा ने रास्ता रोक लिया।}

तताँरा- नाम बताओ,रास्ता छोड़ दूँगा।
वामीरो- वा—मी——रो——
तताँरा- कल आओगी?
वामीरो- नहीं, शायद कभी नहीं । {जाने लगी।}
तताँरा- वामीरो——मेरा नाम तताँरा है—कल मैं यहीं तुम्हारी बाट जोहूँगा; जरूर आना।

{ वामीरो चली गई}

Edit with WPS Office
Members Only
Animation Factory.com

कितना सुन्दर और शक्तिशाली है,तताँरा! पर....गाँव का नियम है कि दूसरे गाँव के युवक के साथ शादी नहीं कर सकते। हा! उसे भूल जाना ही अच्छा है।

अहा! कितनी सुन्दर है,वामीरो! कितना मधुर गाती है! हाय! कब शाम होगी...कब मैं उससे मिलने जाऊँगा!

Edit with WPS Office

दूसरे दिन.....

दोनों एक - दूसरे से मिलने को आतुर.....

दोनों एक-दूसरे को घंटों केवल देखते रहे।

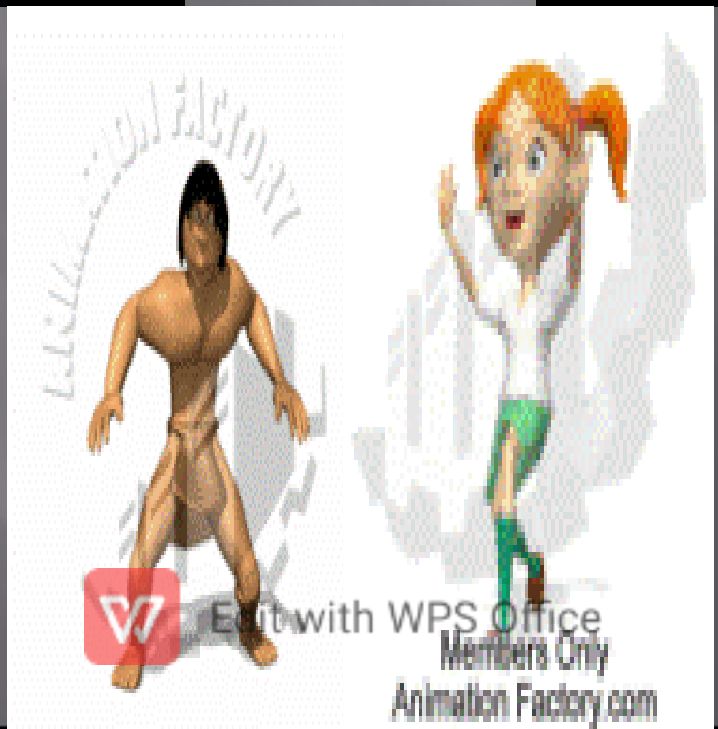

वामीरो चली गई...

इसके बाद तताँरा के जीवन में परिवर्तन आ गया। वह दिन-रात वामीरो के विषय में ही सोचने लगा ; उससे मिलने को तड़पने लगा। उधर वामीरो का भी ऐसा ही हाल था। दोनों रोज समुद्र के किनारे मिलने लगे।

लोगों को उनका मिलना-जुलना अच्छा न लगा।

लोगों ने तताँरा और वामीरो को गाँव के नियम- कानून समझाए और उनको मिलने-जुलने से मना किया।

ततााँरा और वामीरो किसी की परवाह किए बगैर मिलते रहे और उनका प्यार परवान चढ़ता रहा ; मगर उनकी शादी न हो सकी।

Edit with WPS Office

एक बार तताँरा के गाँव ‘लपाती’ में पशु – पर्व का आयोजन किया गया।

तताँरा ने वामीरो को ढूँढ लिया। वामीरो रो रही थी। तताँरा उसे दिलासा देने लगा। तभी वामीरो की माँ वहाँ आ पहुँची और उसने तताँरा को बहुत बुरा-भला कहा।
गाँव के लोगों ने भी उन्हें खूब डाँटा – फ़टकारा । तताँरा को यह सब अपमानजनक लगा । क्रोध में आकर उसने तलवार निकाल ली।

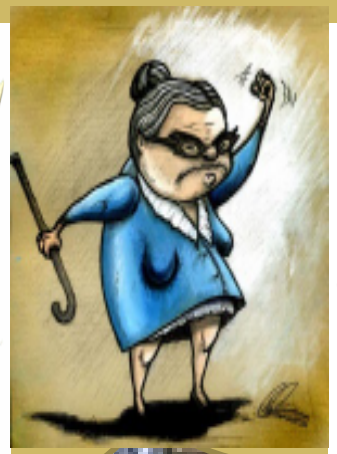

Edit with WPS Office

तताँरा गाँव वालों पर तलवार नहीं उठाना चाहता था ।अपने क्रोध का शमन करने के लिए उसने पूरी शक्ति से तलवार को धरती में घोंप दिया और ताकत से खींचने लगा।

Edit with WPS Office

धरती के दो टुकड़े हो गए..

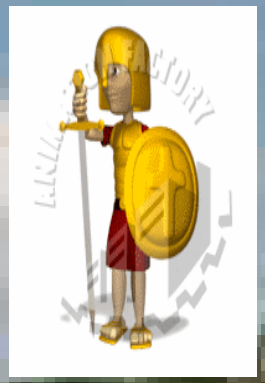

Edit with WPS Office

एक टुकड़े पर तताँरा...और दूसरे टुकड़े पर वामीरो और गाँव वाले.....

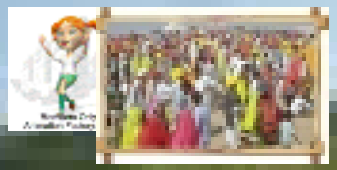

Edit with WPS Office

दोनों द्वीप अलग होकर दूर होते चले गए।

तताँरा चिल्ला रहा था---*वामीरो .....*

वामीरो चिल्ला रही थी---*तताँरा.....*

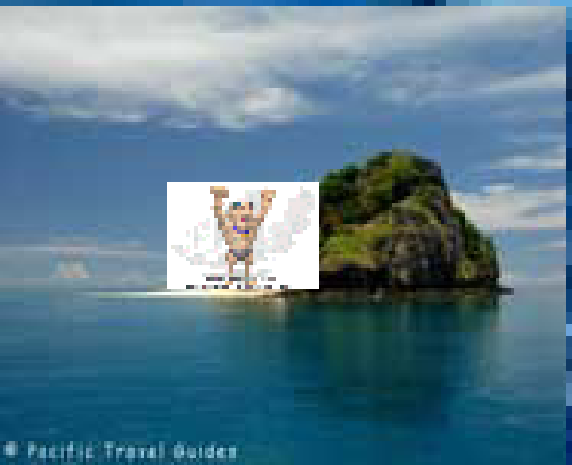

Edit with WPS Office

तताँरा जिस द्वीप पर था,वह पानी में डूबने लगा.....

Edit with WPS Office

बहता हुआ वह द्वीप- खण्ड बहुत दूर चला गया.....

Edit with WPS Office

तताँरा डूबता – उतराता बहुत दूर चला गया। वामीरो और गाँव के लोग उसे ढूँढते रहे ,पर उसका कुछ पता न चला।

Edit with WPS Office

तताँरा के गम में वामीरो पागल हो गई।उसने खाना-पीना छोड़ दिया,परिवार से वह एक तरह अलग हो गई |तताँरा को ढूँढते हुए वह भी एक दिन कहीं चली गई।उसका भी कुछ पता नहीं चला।

Edit with WPS Office

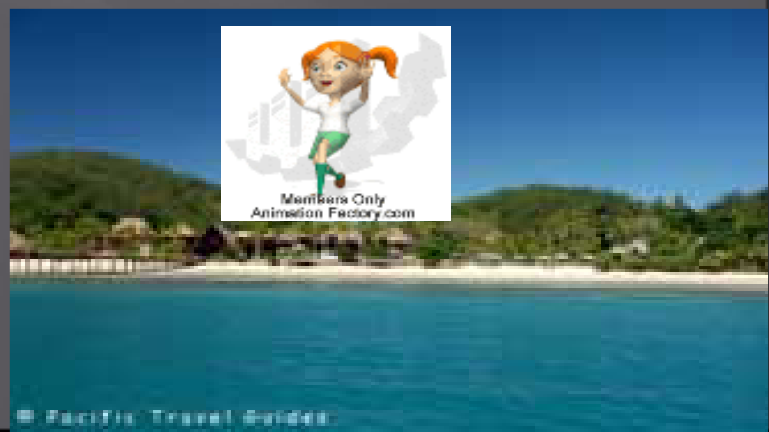

आज न तताँरा है न वामीरो किन्तु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है।निकोबारियों का मत है कि तताँरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए,उसमें दूसरा लिटिल अन्दमान है जो कार-निकोबार से आज ९६ कि. मी. दूर स्थित है।निकोबा्री इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध करने लगे ।तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।

Edit with WPS Office

स

मा

प्त

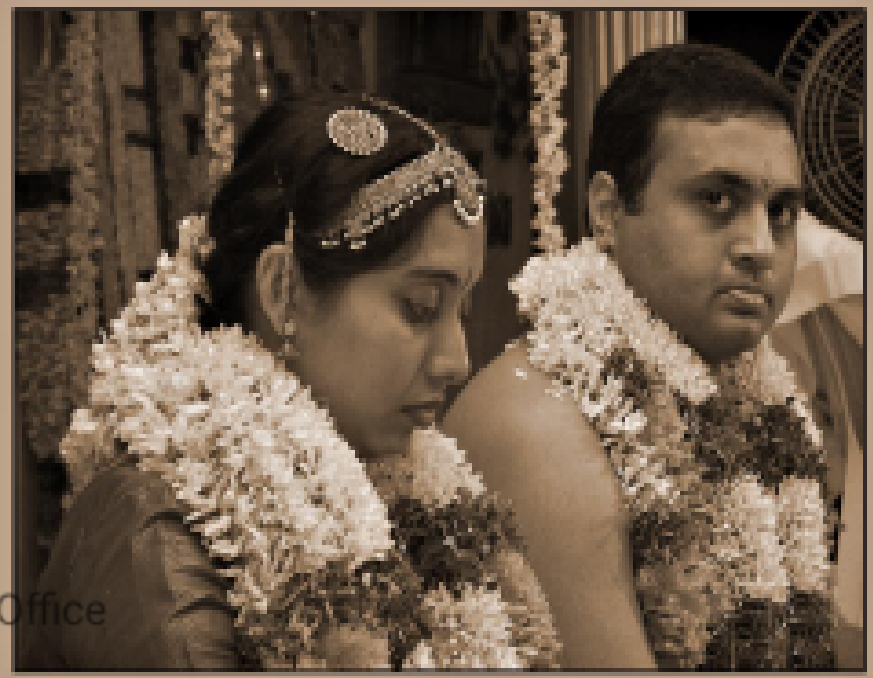

Edit with WPS Office

गृह – कार्य

देश-विदेश की विभिन्न लोक - कथाओं का संग्रह कीजिए । उनमें से कोई एक अपनी अभ्यास – पुस्तिका में लिखिए और एक कक्षा में सुनाइए ।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office